vinetur

प्रीमियम ब्रांड्स की बदौलत भारत की शराब बिक्री में सुधार

उच्च-स्तरीय व्हिस्की, रम और वोडका ने कमजोर गर्मी की मांग और बढ़ती लागत की भरपाई में मदद की।

बुधवार, 20 मई 2026

भारत के शराब बाजार में मार्च को समाप्त वर्ष में सुधार दर्ज किया गया। प्रीमियम ब्रांड्स की बढ़ती पकड़ और राज्य-स्तरीय नीति बदलावों ने कमजोर गर्मी और ऊंची लागत के असर को कुछ हद तक संतुलित किया, जिससे स्पिरिट्स और बीयर की बिक्री 4%-4% बढ़ी।

कार्यकारी अधिकारियों के अनुसार, आबकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए, व्हिस्की, रम और वोडका सहित स्पिरिट्स की मात्रा FY26 में 440 मिलियन केस तक पहुंच गई, जबकि एक साल पहले यह वृद्धि 1.6% थी। भारी बारिश ने पीक सीजन के दौरान मांग को बाधित करने के बावजूद बीयर की बिक्री 474 मिलियन केस तक चढ़ गई। ये बढ़तें शहरी बाजारों में विवेकाधीन खर्च के अधिक मजबूत होने का संकेत देती हैं, जहां उपभोक्ताओं ने तेजी से उच्च-स्तरीय लेबल चुने।

प्रीमियम उत्पादों की ओर यह रुझान सबसे स्पष्ट व्हिस्की में दिखा, जो भारत के स्पिरिट्स बाजार का 63% से अधिक हिस्सा है। प्रीमियम व्हिस्की की मात्रा 6% बढ़ी, जबकि नियमित व्हिस्की 4% घटी। प्रीमियम रम में 20% की वृद्धि हुई और प्रीमियम वोडका 33% उछली, जबकि इन श्रेणियों के नियमित खंडों में 6% की बढ़ोतरी हुई।

Pernod Ricard, Diageo और Radico Khaitan जैसी कंपनियों के कार्यकारी अधिकारी युवा उपभोक्ताओं और शहरी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रीमियम पेशकशों का विस्तार कर रहे हैं। उद्योग अधिकारियों ने कहा कि ऐसे उत्पाद अब मूल्य के हिसाब से बाजार का लगभग आधा हिस्सा बनाते हैं।

Radico Khaitan के प्रबंध निदेशक अभिषेक खैतान ने आय कॉल पर कहा कि बेहतर उत्पाद मिश्रण, अपेक्षाकृत स्थिर इनपुट लागत और पैमाने से मिलने वाले लाभों के कारण वित्तीय दृष्टि से यह वर्ष उत्साहजनक रहा। Pernod Ricard की मुख्य वित्तीय अधिकारी Hélène de Tissot ने कहा कि भारत को मजबूत उपभोक्ता मांग और जारी प्रीमियमाइजेशन से लाभ मिलता रहा। Diageo ने कहा कि महाराष्ट्र को छोड़कर उसका भारत कारोबार उच्च एकल अंकों की दर से बढ़ा, जहां कर बढ़े थे।

बीयर निर्माताओं के लिए वर्ष अधिक चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि असामान्य रूप से भारी बारिश ने गर्मियों के महीनों में बिक्री को नुकसान पहुंचाया, खासकर मई में, जो आम तौर पर भारत में बीयर खपत का सबसे मजबूत महीना होता है। Brewers Association of India के Vinod Giri ने कहा कि बाद में राज्य स्तर पर हुए नीति बदलावों से किफायतीपन और खुदरा पहुंच बेहतर हुई, जिससे बिक्री को संभलने में मदद मिली।

भारत के सबसे बड़े बीयर बाजार महाराष्ट्र में लगभग 18% की वृद्धि हुई, क्योंकि राज्य ने स्पिरिट्स पर कर बढ़ाए लेकिन

बीयर शुल्क अपरिवर्तित रखे। आंध्र प्रदेश में बिक्री 60% बढ़ी, असम में कर कटौती के बाद 73% की वृद्धि हुई और उत्तर प्रदेश में खुदरा लाइसेंसिंग नियमों में ढील दिए जाने के बाद 13% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कुछ बड़े बाजार दबाव में बने रहे। कर्नाटक में मात्रा 13% घटी, तेलंगाना में 10% की गिरावट आई, ओडिशा में 24% की कमी दर्ज हुई और पश्चिम बंगाल में बिक्री 14% घटी।

Giri ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव से जुड़े ईंधन और आपूर्ति-श्रृंखला लागतों में वृद्धि FY27 में लाभप्रदता पर दबाव डाल सकती है, खासकर उन राज्यों में जहां कंपनियों के पास कीमतें बढ़ाने की सीमित गुंजाइश है। United Breweries के प्रबंध निदेशक Vivek Gupta ने निवेशकों से कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि भारतीय उपभोक्ता और बीयर बाजार लचीला बना रहेगा, लेकिन वह ईंधन कीमतों और मुद्रास्फीति पर करीबी नजर रखेगी क्योंकि इनका विवेकाधीन खर्च पर असर पड़ता है।